

Annegret Ritter  
Franz-Joseph Huainigg

**My Feet Are The Wheel-Chair**

**व्हील-चेयर ही मेरे पैर हैं**

MY FEET ARE THE WHEEL-CHAIR  
व्हील-चेयर ही मेरे पैर हैं

© Author: Franz-Joseph Huainigg

© Illustrator: Annegret Ritter

(Redrawn by: Avinash Deshpande)

English translation: Dr. Rekha Kamath

Hindi translation: Arvind Gupta

Original Publisher: Verlag Heinrich Ellermann, Hamburg 1992

*Published in India by: Bharat Gyan Vigyan Samithi  
with permission of the author, illustrator and publisher.*

*Published : 2001, 2003, 2005*

प्रकाशन वर्ष: 2001, 2003, 2005

मूल्य: 40 रुपए

Price : 40 Rupees

***Published by Bharat Gyan Vigyan Samithi***

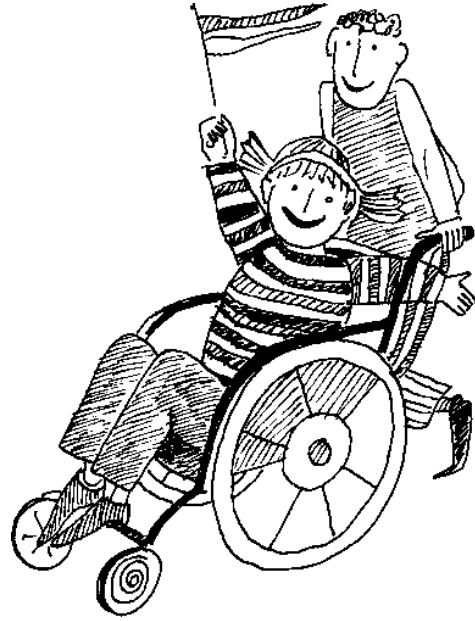
*Basement of Y.W.A. Hostel No. II, G-Block*

*Saket, New Delhi - 110017*

*Phone : 011 - 26569943*

*Fax : 91 - 011 - 26569773*

**email: bgvs@vsnl.net**



Franz-Joseph Huainigg

**My Feet  
Are The Wheel-Chair**

**व्हील-चेयर ही मेरे पैर हैं**

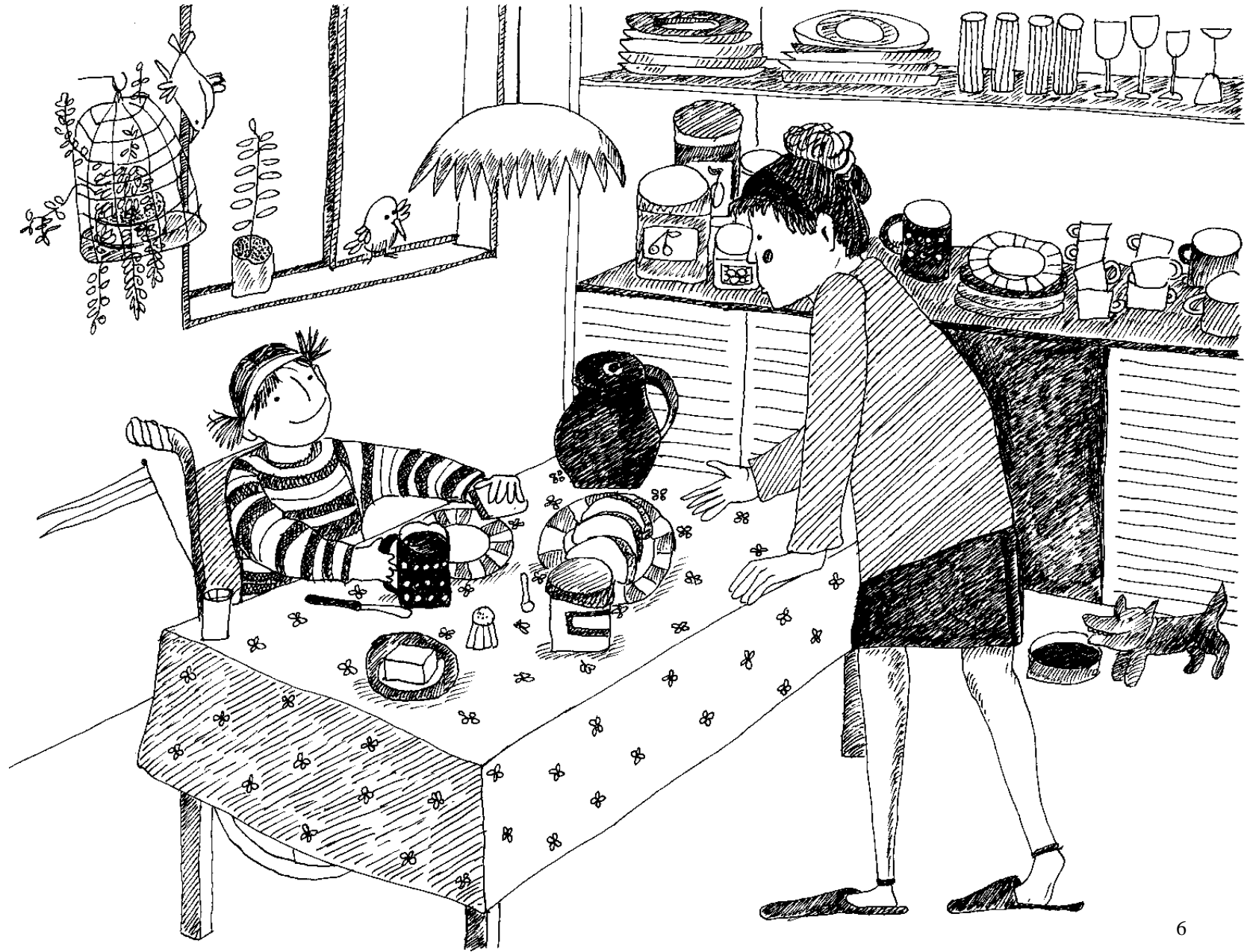
mit Bildern von Annegret Ritter

Margit wakes up every morning at seven o'clock.  
Sleepily she sits up in bed. Then she begins to get dressed.  
She finds it difficult to slip into her shoes.  
Her fingers can barely reach her toes.

Every morning at eight Margit is dressed and ready.  
Then she holds her legs and pulls them over the edge of the bed.

मारगिट रोज़ाना सुबह सात बजे सोकर उठती है।  
वो नींद में ही कुछ देर तक अपने बिस्तर पर बैठी रहती है।  
उसके बाद वो अपने कपड़े बदलती है।  
पैरों में जूते पहनना उसके लिए एक कठिन काम है।  
उसके हाथ की उंगलियां बड़ी मुश्किल से पैर के पंजों तक पहुंच पाती हैं।  
सुबह आठ बजे तक मारगिट कपड़े पहन कर तैयार हो जाती है।  
फिर वो अपनी टांगों को हाथों से पकड़ कर खींचती है और उन्हें पलंग से नीचे की ओर लटकाती है।





Breakfast is already on the table.

"Mummy, can you bring me the jam?" asks Margit.

"It's in the cupboard," comes the answer from the living room.

Margit gets the jam herself. She is happy not to have someone waiting on her.

"Will you go shopping for me ?" asks her mother.

"I'd love to," says Margit readily.

It is the first time that she is being allowed to go to the supermarket alone.

"What all should I bring ?" she asks excitedly.

"A litre of milk and six apples. Will you be able to manage it on your own ?"

"Certainly," smiles Margit and goes off proudly to do the shopping.

तब तक मेज पर नाश्ता लग गया होता है।

“मम्मी, क्या तुम मुझे जैम की बोतल दोगी?” मारगिट ने पूछा।

“वो अल्मारी में रखी है,” अंदर के कमरे में से आवाज़ आई।

मारगिट खुद जाकर जैम लाती है। वो खुश है कि किसी और को उसका काम नहीं करना पड़ रहा है।

“क्या तुम बाज़ार से मेरे लिए कुछ सामान लाओगी?” मारगिट की मां ने पूछा।

“मुझे बेहद खुशी होगी,” मारगिट ने झट से उत्तर दिया।

यह पहली बार है जबकि मारगिट को सुपर मार्केट में अकेले जाने का मौका मिल रहा है।

“मैं क्या-क्या लाऊं?” मारगिट ने खुशी और उत्सुकता से पूछा।

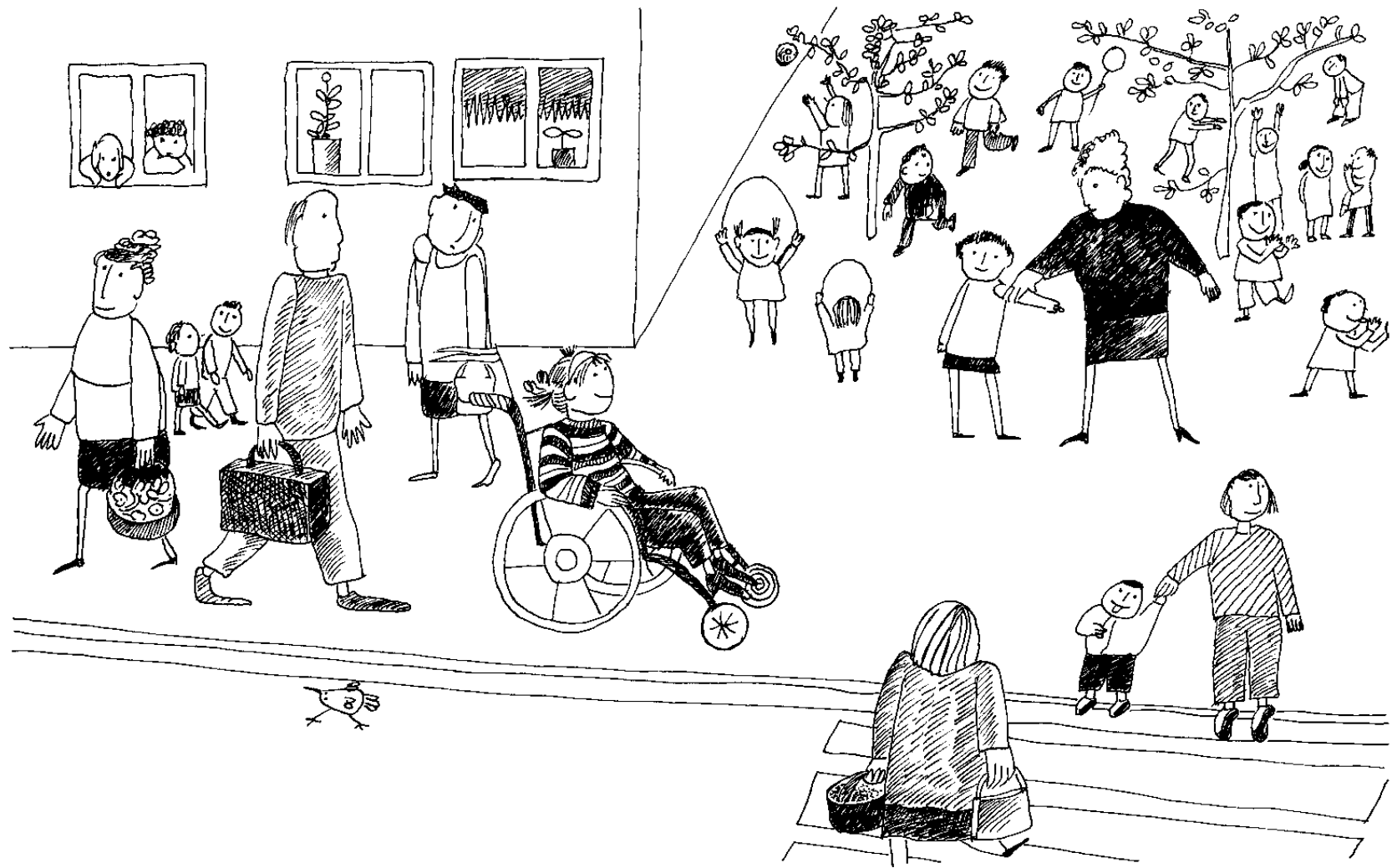
“एक लीटर दूध और छह सेब। क्या तुम इतना सामान अकेले संभाल पाओगी?”

“पक्का,” मारगिट ने मुस्कुराते हुए कहा और गर्व से बाज़ार करने निकली।

Margit likes the life on the street.  
It's holiday time and children are playing everywhere.  
Margit stops and watches them skip,  
play ball and catch-catch.  
She is a little sad.  
She would have loved to play with them.

मारगिट को सड़क की ज़िंदगी देखने में मज़ा आता है।  
क्योंकि आज छुट्टी है इसलिए सभी जगहों पर बच्चे खेल रहे हैं।  
मारगिट थोड़ी देर रुक कर उन्हें रस्सी कूदते,  
गेंद खेलते और कैच पकड़ते हुए देखती है।  
वो थोड़ी उदास हो जाती है।  
उसे भी उन बच्चों के साथ खेलना बहुत अच्छा लगता।





At the playground she sees a girl  
whose mother has just come to fetch her.  
They look at each other curiously.  
Then Margit sees a group of children teasing a boy.  
She finds it mean.  
"Red-head, fire-devil . . . !" they shout after him.  
Just because he doesn't look like the other children.

खेल के मैदान में उसे एक लड़की दिखी,  
जिसकी मां उसे वापिस लेने के लिए आई थी।  
दोनों एक-दूसरे की उत्सुक निगाहों से देखने लगे।  
फिर मारगिट को एक लड़का दिखा जिसे कई सारे बच्चे मिलकर चिढ़ा रहे थे।  
मारजिट को यह सब बिल्कुल अच्छा नहीं लगा।  
“लाल सिर वाले बंदर ...!” बुलाकर वो उस लड़के को चिढ़ा रहे थे।  
यह सब वो इसलिए कर रहे थे क्योंकि वो लड़का उनसे देखने में अलग था।



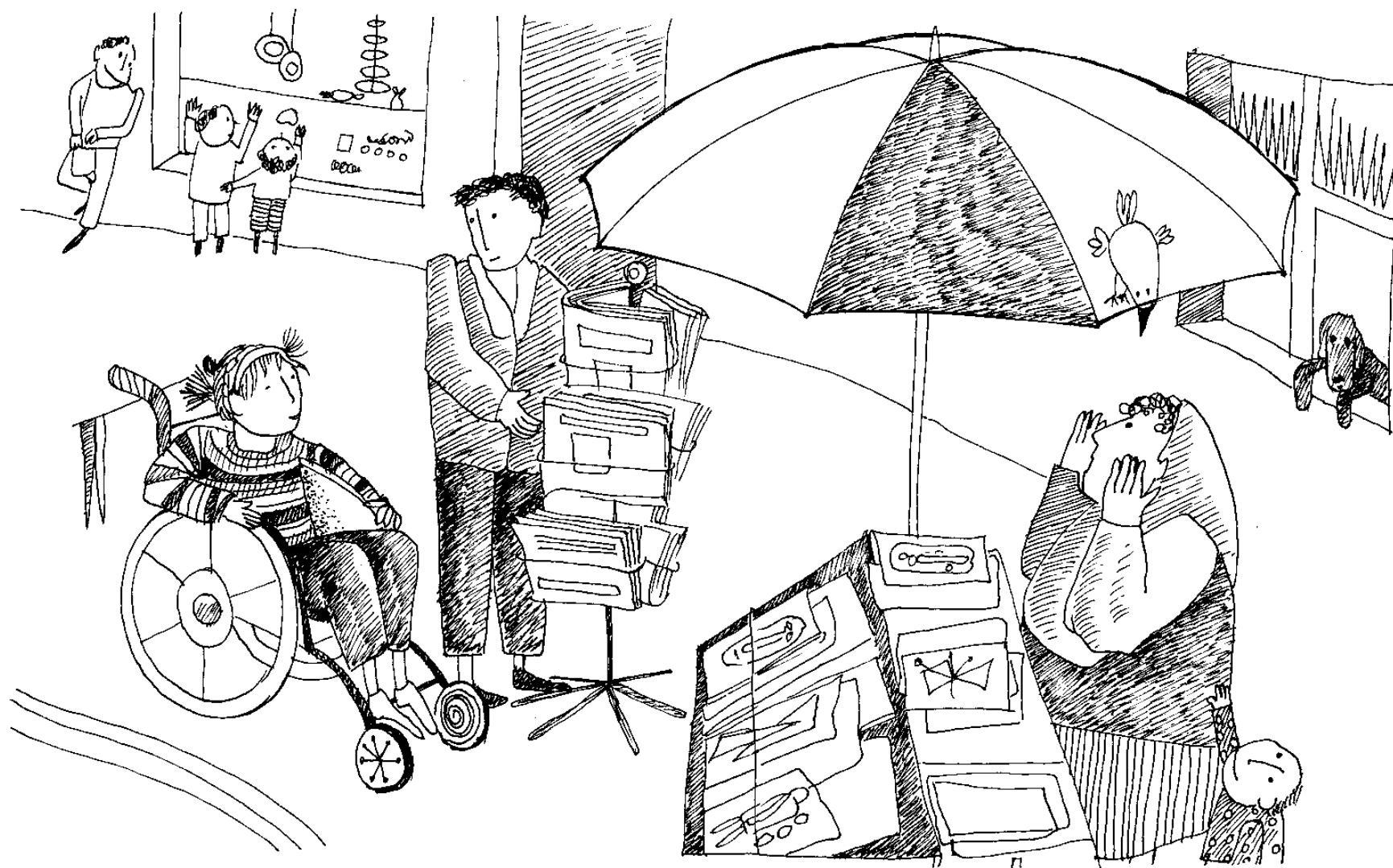
Many people greet Margit, although she doesn't know them.  
At first she is pleased about it, but then she wonders,  
"Why is everyone looking at me like that ?"  
Especially the man in the cafe.  
Even when she turns around a third time, he is still staring.

कई लोगों ने हाथ हिलाकर मारगिट का स्वागत किया,  
जबकि वो उन्हें जानती तक नहीं थी।  
पहले तो वो अपने मन में खुश हुईं परंतु फिर वो सोचने लगी,  
“यह सब लोग मेरी तरफ भला इस तरह क्यों देख रहे हैं?”  
खासकर कैफ़े में बैठा एक आदमी।  
वो उसे टकटकी लगाए लगातार घूर रहा था।  
जब मारगिट ने तीसरी बार मुड़कर देखा तो भी वो उसे घूर ही रहा था।



Margit stops for a while at the newspaper stand.  
She greets the fat sales-lady.  
"Oh my god," she cries.  
"What a punishment, and so young too!"  
Embarrassed, Margit goes away as quickly as she can.

मारगिट कुछ देर के लिए अखबार बेचने वाले स्टैंड के पास रुकी।  
उसने अखबार बेचने वाली मोटी औरत से 'हलो' कहा।  
मारगिट को देखते ही मोटी औरत चिल्लाई,  
"हे भगवान ! इतनी बड़ी सज़ा और वो भी इतनी कम उम्र में!"  
इससे मारगिट काफ़ी परेशान हुई।  
इसलिए वो जल्दी ही वहां से खिसक ली।



Margit sees the young girl from the playground again,  
in front of a clothes store.

Her mother is looking at the clothes.

"What is this funny thing you have here," the girl asks Margit.

"That's only a .....", Margit begins to reply.

But her mother pushes Anna angrily aside.

"You shouldn't ask such questions, Anna ! You really embarrass me."

"I am no different from the other children," Margit says sadly to herself.

She doesn't understand Anna's mother.

खेल के मैदान में मिली छोटी लड़की मारगिट को दुबारा कपड़ों की दुकान के सामने खड़ी मिली ।

उसकी मां कुछ कपड़े देख रही थी ।

“तुम्हारे पास यह अजीब सी दिखने वाली चीज़ क्या है?” उस लड़की ने मारगिट से पूछा ।

“यह तो बस एक .....,” मारगिट जवाब देने लगी ।

परंतु मां ने गुस्से में आकर ऐना को दूर हटा दिया ।

“तुम्हें इस तरह के सवाल नहीं पूछना चाहिए ऐना! इनसे मुझे शर्मिंदा होना पड़ता है ।”

“मैं दूसरे बच्चों से अलग नहीं हूँ,” मारगिट ने खुद से दुखी होकर कहा ।

उसे ऐना की मां का बर्ताव समझ में नहीं आया ।







An old man and an old woman are sunning themselves on the bench.

"Because you are a poor thing," says the woman and she puts some money into Margit's hand.

"I am as rich and as poor as the other children," Margit wants to tell the woman.

But . . .

उधर एक बूढ़ा आदमी और एक बूढ़ी औरत बेंच पर बैठे धूप सेंक रहे हैं।

“क्योंकि तुम बेचारी लाचार और गरीब हो,” बूढ़ी औरत ने कहा और कुछ सिक्के मारगिट की हथेली पर रख दिए।

“मैं दूसरे बच्चों की तरह ही रईस या गरीब हूँ,” मारगिट ने औरत से कहना चाहा।

परंतु ...

... the old man takes pity and asks Margit,  
"What happened to you ?"

Margit turns red with anger.

"What do they all want from me ? " Just today,  
when I have been allowed to go shopping the  
first time all by myself.

"I'm no different from other children," she  
shouts.

She fails to understand the old man and the  
woman.

... तभी बूढ़े आदमी ने तरस खाते हुए मारगिट से पूछा  
"तुम्हें क्या हुआ है?"

मारगिट का चेहरा गुस्से से तमतमाने लगा ।

"न जाने यह सब लोग मुझ से क्या चाहते हैं?"

बस आज ही, जब मुझे पहली बार अकेले बाज़ार जाने का  
मौका मिला है ।

"मैं दूसरे बच्चों से अलग नहीं हूँ," वो ज़ोर से चिल्लाई ।

उसे बूढ़े आदमी और बूढ़ी औरत का व्यवहार बिल्कुल समझ  
में नहीं आया ।



Finally Margit reaches the supermarket. At the entrance she notices that she cannot manage the step alone. No one helps her. Everyone is in a hurry. No one pays any attention to her.

Suddenly the boy, who was being teased "red-head" is standing before her.

He had been following her.

"Hello, I am Sigi," he introduces himself "Can I help you ?"

"My name is Margit," she smiles in relief.

"Please step on the pedal at the back," she begins to explain.

Sigi tilts the wheel-chair up according to Margit's instructions and raises the front wheels over the step. Then he raises the back wheels over the hurdle.

"Thank you," she calls out to Sigi.

अंत में मारगिट सुपर मार्केट पहुंची। दरवाजे में घुसने के लिए उसे एक कदम ऊंचे चढ़ना था।

उसके लिए यह कर पाना मुश्किल था। किसी ने भी उसकी मदद नहीं करी। सब लोग जल्दी में थे।

किसी ने उसकी तरफ ध्यान नहीं दिया। अचानक जिस लड़के को "लाल बालों वाला बंदर" कहकर चिढ़ाया जा रहा था वो उसके सामने आकर खड़ा हो गया। वो मारगिट का पीछा करते हुए आया था।

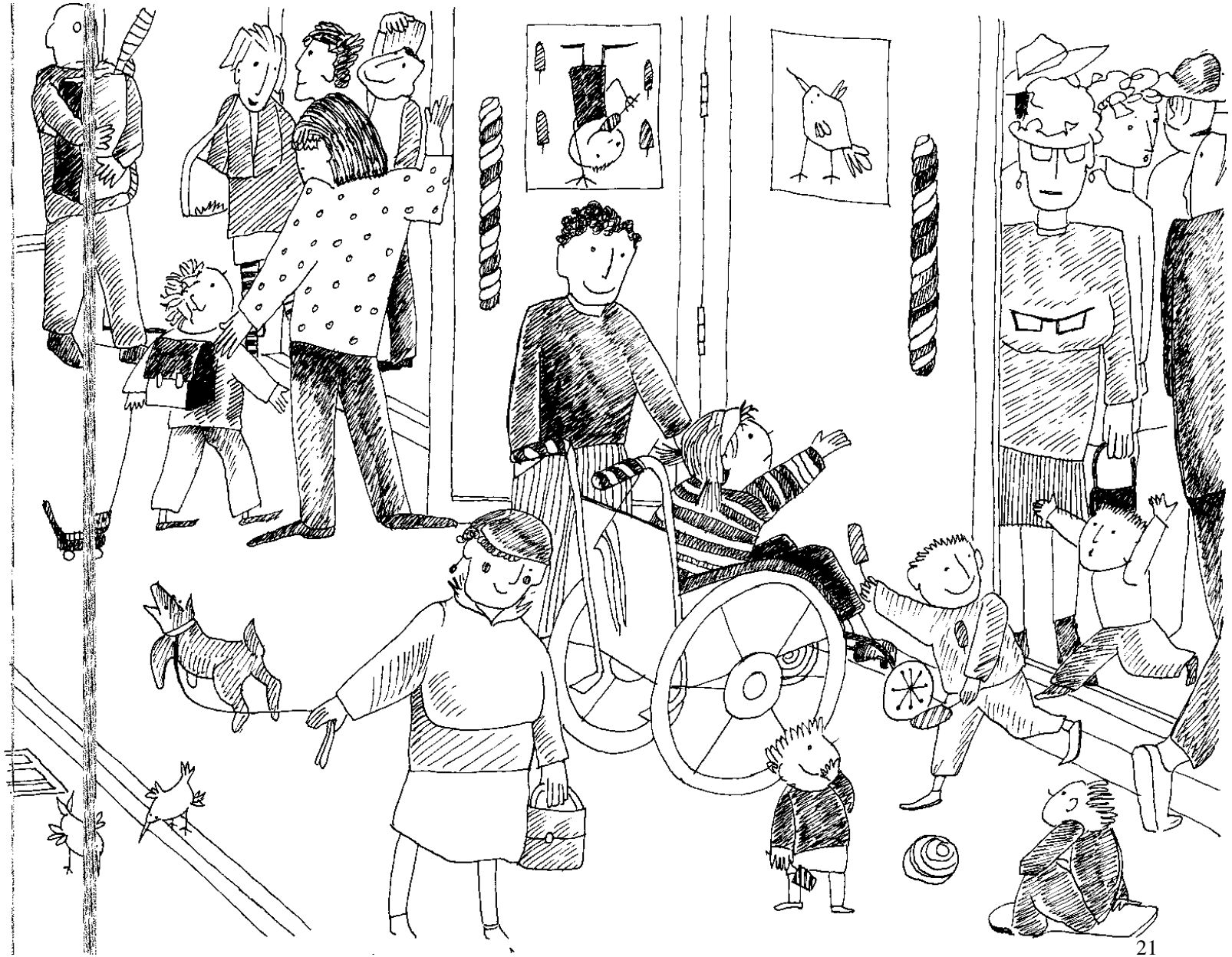
"हलो, मैं सिजी हूँ," उसने अपना परिचय दिया, "क्या मैं तुम्हारी कुछ मदद कर सकता हूँ?"

"मेरा नाम मारगिट है," उसने राहत की सांस ली और मुस्कुराई। "कृपया पीछे के पैडिल को पैर से दबाओ," उसने समझाया।

उसके बताए अनुसार सिजी ने व्हील-चेयर को टेढ़ा करके उसके अगले पहियों को ऊंची ड्योढ़ी पर रखा।

फिर उसने पिछले पहियों को भी ऊपर चढ़ाया। अब मारजिट व्हील-चेयर को खुद चला सकती थी।

"शुक्रिया," उसने सिजी से कहा।



She soon finds the milk and is reaching out for it.  
Suddenly someone hands it to her.  
The salesman smiles. "Can't I take the milk on my own?" she wonders.  
She finds the fruit stand and is just reaching out for a bag of apples,  
when it is handed to her.  
The salesgirl smiles.  
Margit drops the apples angrily onto the wheelchair.  
"Can't I take the apples myself, like the others," she calls out.  
She doesn't understand the sales girl.

जल्दी ही उसे दूध का स्टैंड दिखा ओर वो उसकी ओर बढ़ी ।  
परंतु तभी किसी ने आकर उसे दूध थमा दिया । दुकान का सेल्समैन उसे देखकर मुस्कुराया ।  
“क्या मैं दूध खुद नहीं ले सकती हूँ?” वो अचरज करती है ।  
फिर उसे सेब दिखाई दिए और वो सेब की थैली की ओर बढ़ी ।  
परंतु तभी किसी ने उसे सेब थमा दिए । उसे देखकर सेल्सगर्ल मुस्कुराई ।  
मारगिट ने गुस्से में सेब की थैली को व्हील-चेयर में पटक दिया ।  
उसने कहा, “क्या मैं दूसरों की तरह खुद अपने आप सेब नहीं ले सकती?”  
उसे सेल्सगर्ल का व्यवहार बिल्कुल समझ में नहीं आया ।



Margit sits between the shelves with chocolates and biscuits and cries.

"Don't be so sad," says someone suddenly. It is Sigi.

"People behave as if I am some strange creature."

"That's because of your wheel-chair," says Sigi.

"But there is nothing special about that," says Margit "I am lame since birth."

"What is lame," asks Sigi.

"I can't move my legs. My feet are the wheel-chair. But I am still no different from the other children."

Sigi shakes his head, "You are different."

"No ! You and I, we are like the others ! " says Margit.

Sigi again shakes his head, "You sit in a wheel-chair. I have red-hair. You and I have something special."

Margit doesn't understand him. Sigi takes her by the hand and pulls her with him.

फिर मारगिट चॉकलेट और बिस्किट से भरे शेलफों के बीच बैठकर रोने लगी।

तभी अचानक उससे किसी ने कहा, "इतनी दुखी मत हो।" कहने वाला सिजी था।

"लोग मेरे साथ ऐसा बर्ताव करते हैं जैसे कि मैं कोई अजीबोगरीब जीव हूँ।"

"वो तुम्हारी व्हील-चेयर के कारण ही ऐसा करते हैं," सिजी ने कहा।

"पर इसमें भला क्या खास बात है," मारगिट ने कहा, "मैं बचपन से ही पैरों से अपंग हूँ।"

सिजी ने पूछा, "यह अपंग क्या होता है?"

"मैं पैरों से चल ही नहीं सकती। यह व्हील-चेयर ही मेरे पैर हैं। परंतु फिर भी मैं दूसरे बच्चों से अलग नहीं हूँ।"

सिजी अपना सिर हिलाया और कहा, "तुम अलग हो।"

मारगिट ने कहा, "नहीं! मैं और तुम, हम लोग अन्य बच्चों जैसे ही हैं।"

सिजी ने दुबारा अपना सिर हिलाया, "देखो तुम व्हील-चेयर पर बैठी हो। मेरे बाल लाल हैं। हम दोनों विशेष हैं। हममें कोई खास बात है।"

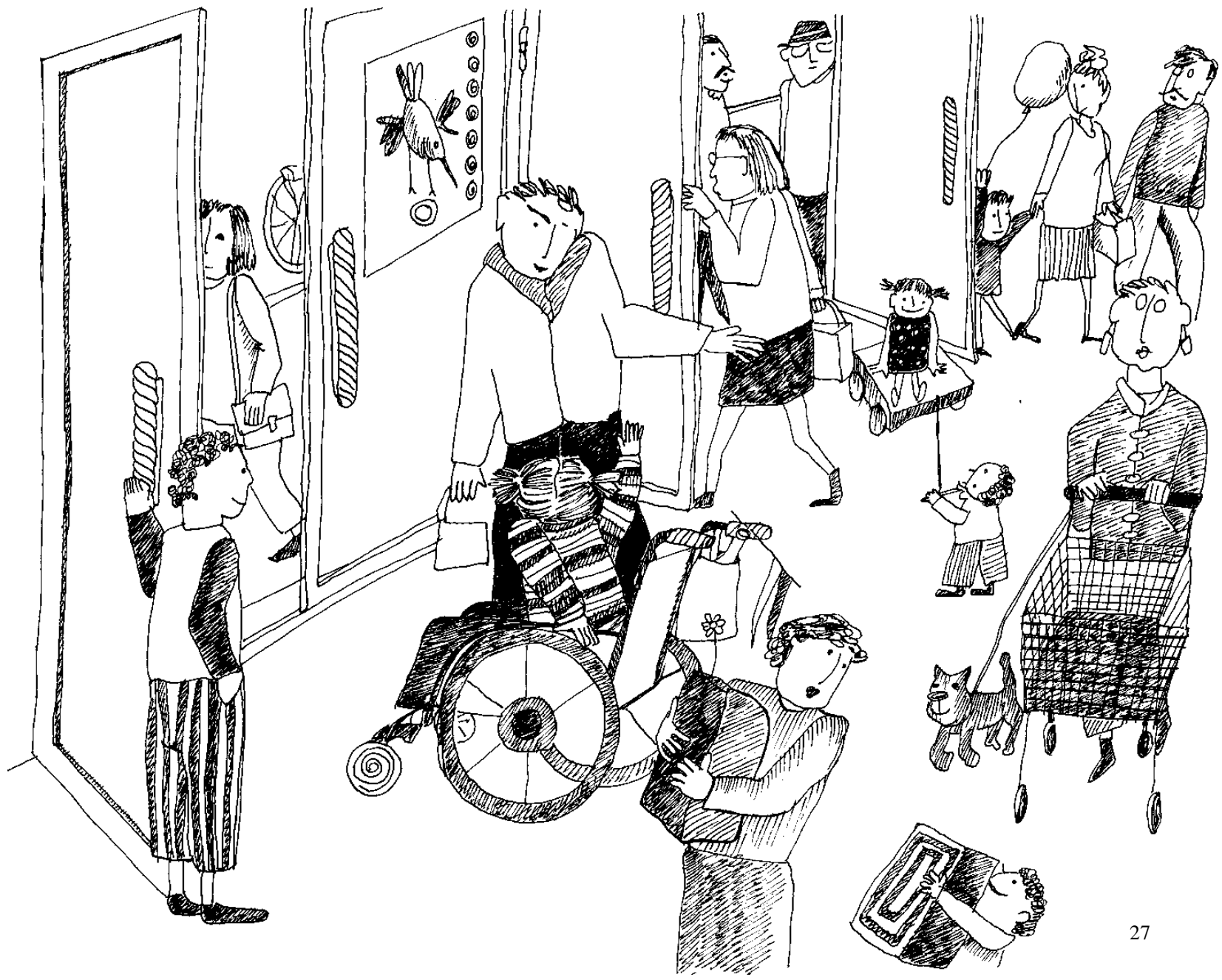
मारगिट को सिजी की बात समझ में नहीं आई। फिर सिजी ने उसका हाथ पकड़ा और उसे अपने साथ-साथ खींचा।





They stop at the exit.  
"You can do a lot of things on your own.  
But sometimes you need help.  
Like everyone else," says Sigi.  
"Ask someone to help you over the step."  
Margit gathers up courage. She asks a man passing by in a hurry.  
The man turns red. " I didn't see you, . . . didn't know. . . and how,"  
he stammers and helps.  
Sigi and Margit wink at each other.

बाहर के दरवाज़े पर आकर दोनों रुके ।  
सिजी ने कहा, “ तुम बहुत सारे काम खुद अपने आप कर सकती हो ।  
परंतु कभी-कभी तुम्हें भी दूसरों की तरह ही मदद लेनी चाहिए ।  
चलो अब सीढ़ी से नीचे उतरने के लिए किसी से सहायता मांगो ” ।  
मारगिट ने हिम्मत बटोरी ।  
उसने पास गुज़रते एक आदमी से मदद करने को कहा । उस आदमी का चेहरा लाल हो गया ।  
“ अरे, मैंने तो तुम्हें देखा ही नहीं, ..... मुझे पता नहीं ..... और कैसे, ” वो हकलाया ।  
पर उसने मारगिट की मदद करी ।  
सिजी और मारगिट ने एक-दूसरे को आंखों ही आंखों में इशारा किया ।



The old man and the old woman are still sitting on the bench.  
Margit taps the woman on the arm. "We feel sorry for you too,"  
she says and puts a lollipop into her hand, " this is for you."  
The old woman is shocked.

She gapes at Margit.

"You wanted to know what happened to me?" Margit asks the man.

"I've found a friend and I'm happy . . . ," she laughs.

"Someone special," adds Sigi.

Both Margit and Sigi turn around and around until the old man and the old woman  
start feeling dizzy.

अभी भी बूढ़ा और बुढ़िया बेंच पर ही बैठे हैं। मारगिट ने बूढ़ी औरत के कंधे को थपथपाया और कहा,  
“हमें भी आपकी हालत पर तरस आता है”।

फिर उसने झट से बुढ़िया की हथेली में एक लॉलीपाप रख दिया और कहा, “यह आपके लिए है।”

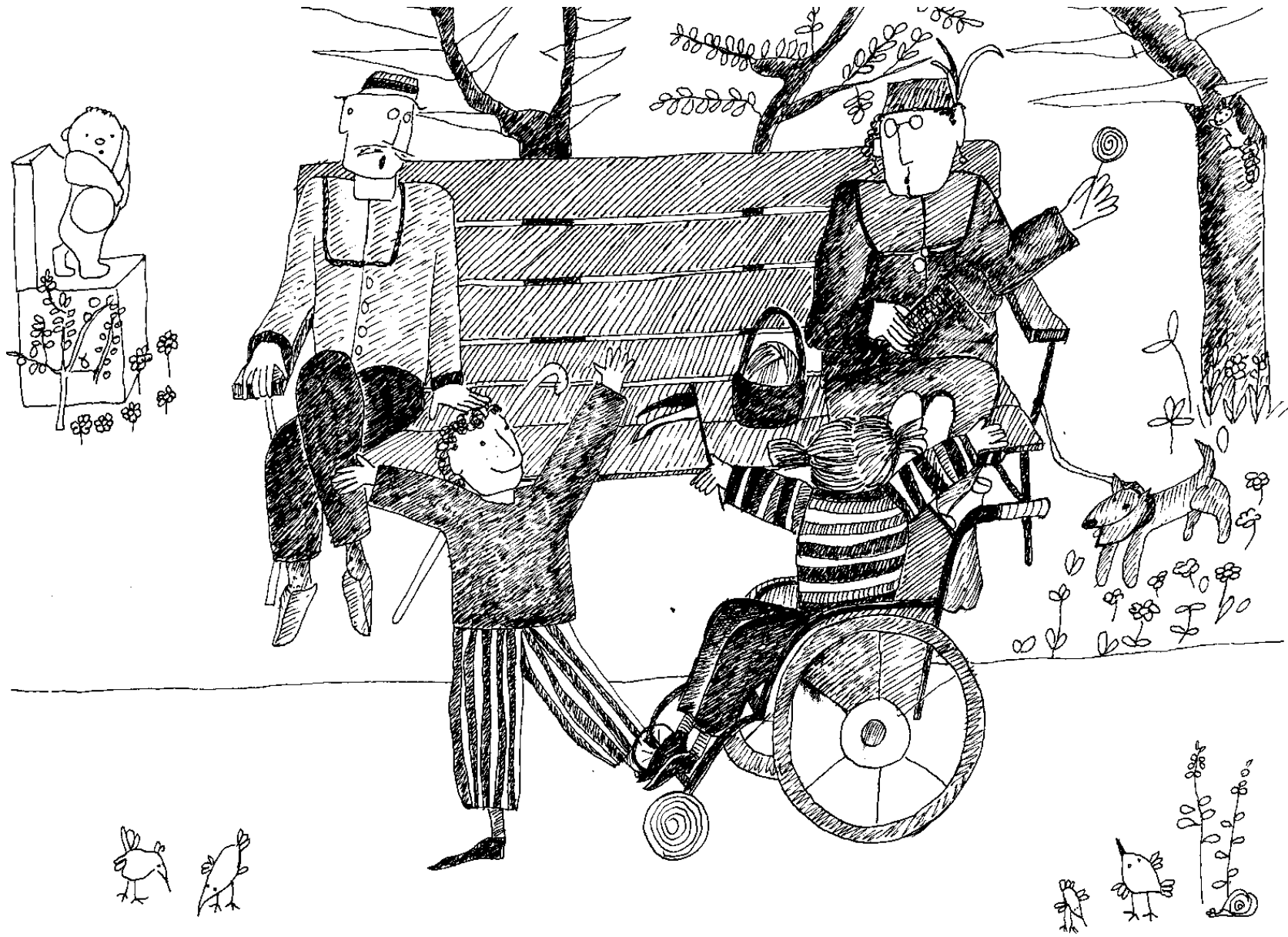
बुढ़िया को एक धक्का सा लगा और वो मारगिट को घूरने लगी।

मारगिट ने बूढ़े से पूछा, “आप यह जानना चाहते थे कि मुझे क्या हुआ है?

मुझे एक दोस्त मिल गया है और मैं बेहद खुश हूँ ...,” कहकर वो हंसने लगी।

“एक विशेष मित्र,” सिजी ने कहा।

फिर मारगिट और सिजी दोनों ने गोल-गोल चक्कर लगाए जिससे बूढ़े और बुढ़िया का सिर चकराने लगा।



At the zebra crossing they again meet Anna and her mother.

This time Anna doesn't ask any questions.

She has learnt that one doesn't.

"Hello," Margit calls out to her "I am handicapped".

Anna's mother is horrified.

"What does that mean, handicapped ?" asks Anna.

"For example, not being able to walk," explains Margit.

"We don't need to walk, we can ride," explains Sigi.

सड़क पार करते समय उनकी मुलाकात ऐना और उसकी मां से दुबारा हुई।

इस बार ऐना ने कोई सवाल नहीं पूछा। शायद वो सही व्यवहार करना सीख गई थी।

“हलो,” मारगिट ने उसे देखकर कहा, “मैं अपंग हूँ।”

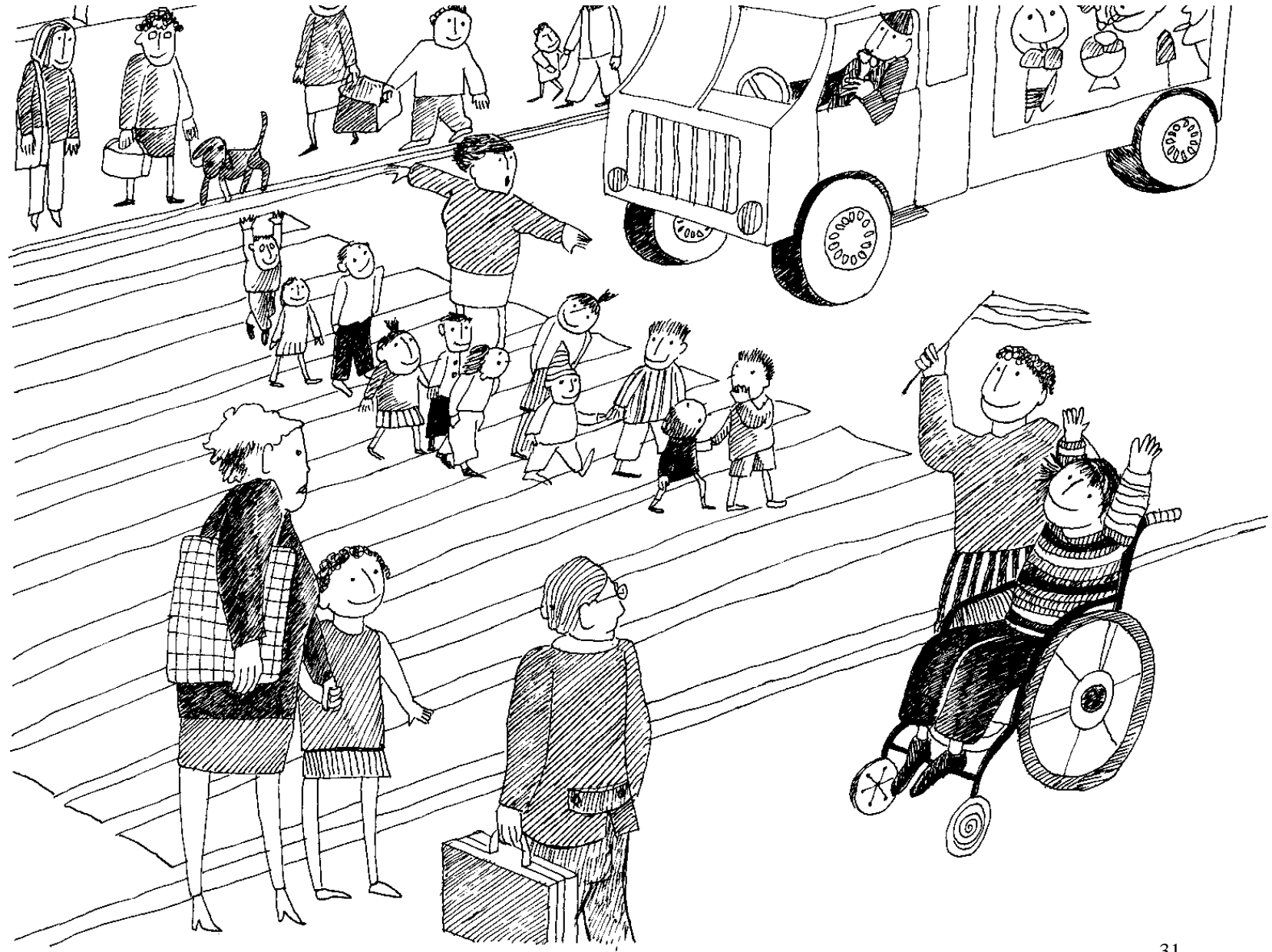
यह सुनकर ऐना की मां बहुत शर्मिदा हुई।

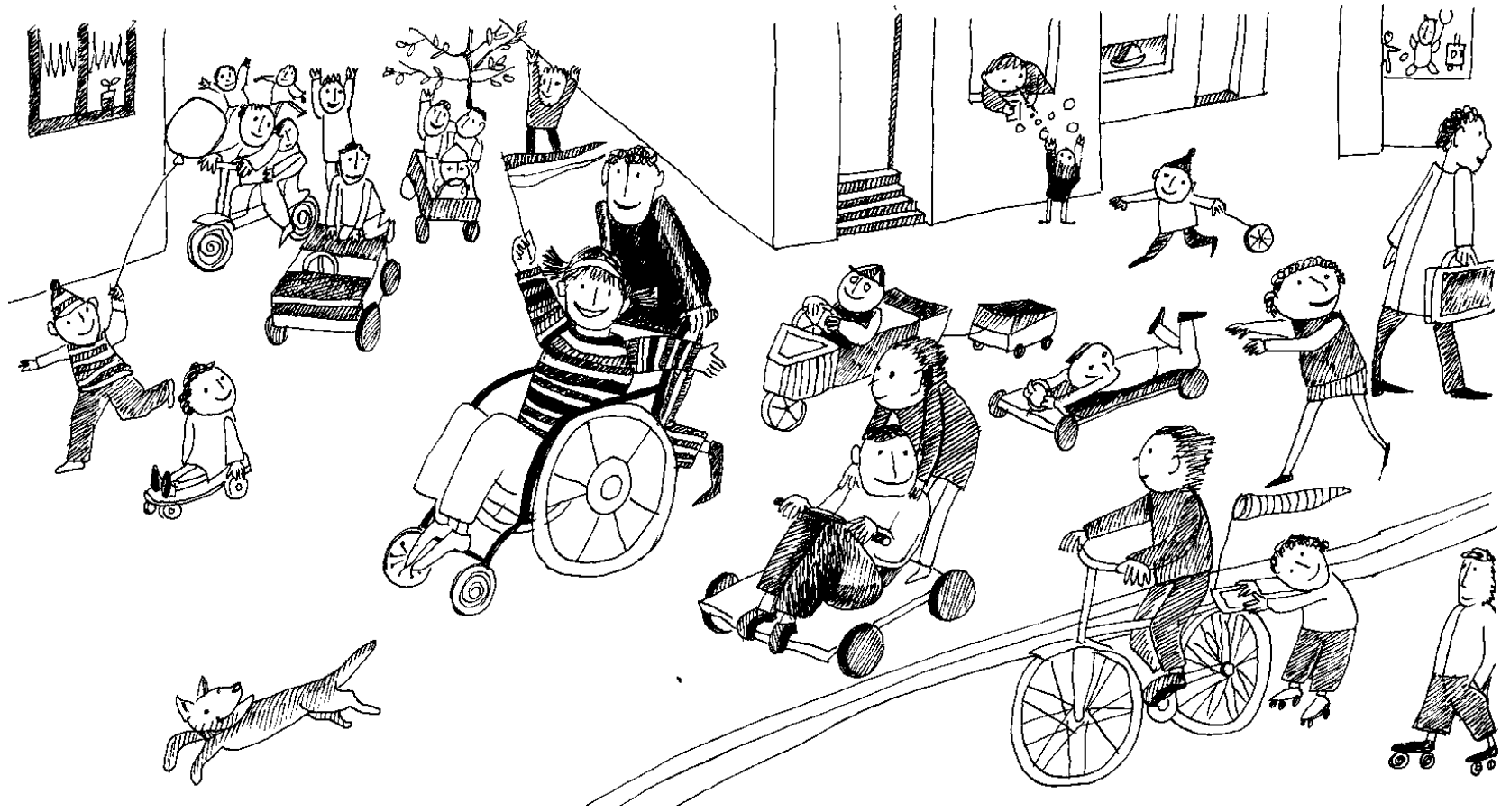
“अपंग का मतलब क्या होता है?” ऐना ने पूछा।

“मिसाल के लिए, चल नहीं पाना,” मारगिट ने समझाया।

“देखो हमें चलने की ज़रूरत ही नहीं है, हम तो व्हील-चेयर पर सवारी कर सकते हैं,”

सिजी ने बात को स्पष्ट करते हुए कहा।





Sigi gets onto the back of Margit's wheel-chair.  
They both zoom down the street. Anna runs with them.

सिजी झट से मारगिट की व्हील-चेयर के पीछे चढ़ गया।  
फिर दोनों व्हील-चेयर पर सवार होकर तेज़ी से सड़क पर आगे बढ़े।  
ऐना भी उनके साथ-साथ दौड़ी।





**Margit is a little girl. She is unable to walk. Her feet are the wheel-chair. Margit is an independent and high spirited girl. She visits a super market where she has some sad and some joyous encounters. She doesn't like being pitied. She wants to be treated like other children. In the end she finds a friend which makes her feel wanted and happy.**

मारगिट एक छोटी लड़की है। वो चल पाने में असमर्थ है। व्हील-चेयर ही उसके पैर हैं। उसके दिल में जिंदगी जीने की उमंग है। वो सुपर मार्केट जाती है, जहां उसे कई खट्टे-मीठे अनुभव होते हैं। वो चाहती है कि लोग उस पर तरस न खाएं और उसके साथ अन्य बच्चों जैसा ही व्यवहार करें। अंत में उसे एक दोस्त मिलता है जिसके साथ खेलकर उसे बेहद खुशी मिलती है।

